विजय संदेश की रचनाधर्मिता

रंग और रेखाएं

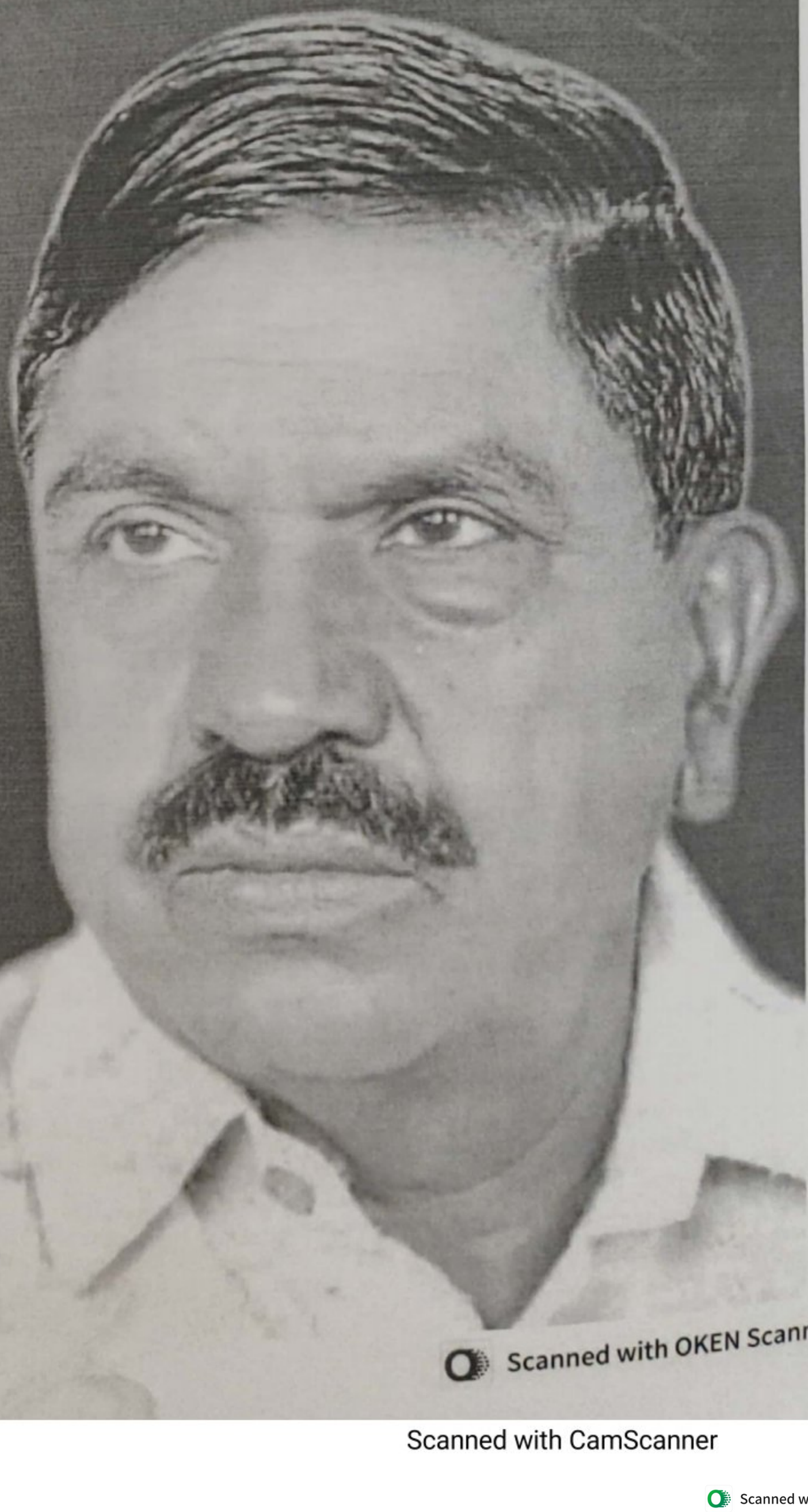

संपादन

अनिल सिंह

अनन्त द्विवेदी

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

वैधानिक चेतावनी

पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन, फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक व प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित आलेख/आलेखों के सर्वाधिकार मूल रचनाकार/रचनाकारों के पास सुरक्षित हैं। पुस्तक में व्यक्त विचार पूर्णतया लेखक/लेखकों अथवा संपादक/संपादकों के हैं। यह जरूरी नहीं है कि प्रकाशक इन विचारों से पूर्ण या आंशिक रूप से सहमति रखे। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय, दिल्ली ही मान्य होगा।

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2023

ISBN 978-81-19019-37-3

प्रकाशक

अनुज्ञा बुक्स

1/10206, लेन नं. 1E, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली-110 032

e-mail : anuugyabooks@gmail.com • salesanuugyabooks@gmail.com

फोन : 011-22825424, 7291920186, 09350809192

www : anuugyabooks.com

शाखा कार्यालय : धर्मकांटा चौक, राष्ट्रीय राजमार्ग 57,
एम.बी.बी.एल कॉलेज रोड, बैरिया, मुजफ्फरपुर-842 003 बिहार

शाखा कार्यालय : बी-1171, द्वितीय तल,
ग्रीन फील्ड्स कॉलोनी, फरीदाबाद-121 010 हरियाणा

शाखा कार्यालय : 301, तृतीय तल, राधाकृष्ण अपार्टमेंट, सांई कॉलोनी,
स्टेशन रोड, चाईबासा, पश्चिमी सिंहभूम-833 201 झारखंड

मूल्य : 600.00 रुपये

आवरण
राधेश्याम प्रजापति

मुद्रक
अर्पित प्रिंटोग्राफर्स, दिल्ली-32

VIJAY SANDESH KE RACHNADHARMITA : RANG AUR REKHAYEIN
Life & Literary works of Dr. Vijay Sandesh *edited by Dr. Anil Singh & Dr. Anant Dwivedi*

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

यात्राओं का आत्मीय बयान : उड़ता चल हारिल —डॉ. अशोक हेमा फड़ें 125

सांस्कृतिक समृद्धि का स्वप्नलोक 'उड़ता चल हारिल' —डॉ. रीना सिंह 131

'उड़ता चल हारिल' प्रकृति, परिवेश और पर्यावरण का सौन्दर्यबोध —डॉ. विजयश्री 137

उड़ता चल हारिल : खुला आकाश, खुले डैने —डॉ. अखिलेश्वर दयाल सिंह 142

यात्रा-साहित्य की अप्रतिम कड़ी : उड़ता चल हारिल —डॉ. प्रमोद कुमार 147

यायावर साहित्यकार : विजय सन्देश —डॉ. अवधेश कुमार मेहता 152

कहानी-साहित्य

बेकसूर और अन्य कहानियाँ

पछतावे के आँसू : आधुनिक जीवन-शैली की व्यथा-कथा —दिविक दिवेश 161

शीतयुद्ध : संवेदना और शिल्प का अभिनव प्रयोग —आलोक रंजन 166

कलेक्टर दीदी : कर्म और विश्वास की जीत —प्रो. छट्टु राम 170

जीवन-संघर्ष से जुड़ी हुई विजय सन्देश की कहानियाँ —डॉ. कनक रागिनी 174

व्यापक फलक एवं जीवनाभिव्यक्तियों की प्रस्तुति : विजय कुमार सन्देश की कहानियाँ —डॉ. पार्वती कच्छप 180

निबन्ध और अन्यान्य

डॉ. अंबेडकर के समाज दर्शन का आधार और विजय संदेश पर प्रभाव —प्रमोद दास 189

Dr. Vijay Kumar 'Sandesh' and His Literature Through My Eyes —*Shankar Kumar Sen* 194

Andhere ke Viruddh : Through My Kaleidoscope —*Sagorika Sen* 196

लेखक परिचय 205

कलेक्टर दीदी : कर्म और विश्वास की जीत

–प्रो. छट्टू राम

बीसवीं-इक्कीसवीं शती के हिन्दी कहानीकारों में विजय सन्देश का अप्रतिम स्थान है। वे एक साथ 'कवि, कहानीकार एवं आलोचक हैं।"[1] इनका जन्म हजारीबाग जिले के अमृतनगर नामक कस्बा में हुआ, जहाँ बचपन बड़ा ही कष्टपूर्ण और दुखदायी था। मेधावी और अध्ययन-अध्यापन के प्रति विशेष रुचि व लगाव के कारण ही आज गद्य व पद्य साहित्य में उनका बड़ा नाम है। कवि-कथाकार श्री सन्देश ने मॉरीशस, श्रीलंका, रूस, उज्बेकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, आस्ट्रिया, बेल्जियम, नीदरलैंड जैसे देशों की साहित्यिक-यात्रायें की हैं और राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी भाषा व साहित्य को विशेष पहचान दिलाने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है। यह अवश्य है कि इन्हें विशेष ख्याति यात्रा-वृत्तांत के लेखन में मिली है गोकि, इनकी कहानियाँ भी कम चर्चित नहीं हैं। इनकी एक कहानी 'पछतावे के आँसू' साठ्ये कॉलेज (स्वायतशासी), मुंबई के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम में सम्मिलित है। उल्लेख्य है कि उनके शोध आलेख, यात्रा-वृत्तांत और कहानियाँ भारत के अतिरिक्त कई देशों की पत्र-पत्रिकाओं में भी प्रकाशित हुई है। आलोच्य कहानी 'कलेक्टर दीदी' श्री सन्देश की लोकप्रिय कहानी है, जिसका प्रथम प्रकाशन पिट्सबर्ग, अमेरिका की लब्धप्रतिष्ठ पत्रिका 'सेतु' में हुआ था।

कहानी 'कलेक्टर दीदी' का आरम्भ प्रकृति-चित्रण से हुआ है, जिसमें कहानीकार ने एक झील और उसके इर्द-गिर्द के मनोरम दृश्यों के साथ किया है। इसकी कथा एक परिवार की कहानी है, जिसके मुखिया सुदर्शन लाल हैं। इनके अलावा परिवार में पुत्रवधू, बेटा और पौत्र-पौत्री हैं। कहानी की सम्पूर्ण कथा पुत्रवधू रितु उर्फ ऋतुपर्णा के ईद-गिर्द घूमती है, जिसने तमाम विपरीत परिस्थितियों के बीच अपने पहले प्रयास में ही केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर ली है। यही कारण है कि शहर के लोग और मीडियाकर्मी सुदर्शन लाल और उसकी पुत्रवधू को बधाई देने के लिए उसके घर पर आ-जा रहे हैं। ऋतु अब कलेक्टर है और परिवार व प्रशासनिक दायित्व को निभाना सीख चुकी है। पैर के फ्रैक्चर होने के बावजूद वह चुनाव और दो अलग-अलग समुदायों की सामाजिक-धार्मिक जैसी कठिन चुनौतियों को स्थानीय लोगों के सहयोग से बड़ी सफलता के साथ हल कर लेती है। ऋतु के जीवन में मोड़ उस वक्त आया जब उसका स्थानांतरण आदिवासी बहुल क्षेत्र में हुआ। उस क्षेत्र की रूढ़िवादी परम्परा से ऋतु काफी क्षुब्ध थी इसके बावजूद वहाँ के लोगों में शिक्षा व सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

प्र. प्राचार्य डॉ. अनिलकुमार शिवनारायण सिंह
प्रोफेसर एवं हिन्दी विभागाध्यक्ष, एस.बी. कॉलेज, शहापुर, महाराष्ट्र, जिला ठाणे - 421601

संप्रति : प्रभारी अधिष्ठाता, मानवविज्ञान विद्या शाखा, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई - 400032

दूरभाष : 07028029016 / 09422669524

मेल : dranilsingh129@gmail.com

शैक्षणिक अनुभव : यू.जी. स्तर पर 34 वर्ष, पी.जी. स्तर पर 24 वर्ष

शोध निर्देशक : 12 विद्यार्थियों को मुंबई विश्व-विद्यालय से पीएच.डी. उपाधि प्राप्त हो चुकी है।

रचना कर्म : 4 पुस्तकें प्रकाशित, 21 पुस्तकें संपादित, 70 से अधिक पुस्तकों और राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में लेख व समीक्षाएँ प्रकाशित।

सम्मान व पुरस्कार प्राप्त :

2015 हिंदी सेवी विद्वान, हिंदी साहित्य अकादेमी, मॉरीशस।

2015 आदर्श शिक्षक पुरस्कार, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई।

2016 महाराष्ट्र साहित्य अकादमी "मामावरेरकर" सम्मान, महाराष्ट्र शासन द्वारा।

2018 साहित्य सृजन सम्मान, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, बाली, इंडोनेशिया।

आकाशवाणी मुंबई से वार्ताएँ : आकाशवाणी, मुंबई से रेडियो वार्ताएँ प्रसारित।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभाग : मॉरीशस, श्रीलंका, ताशकंद, मॉस्को, स्विजरलैंड, जर्मनी, इंडोनेशिया।

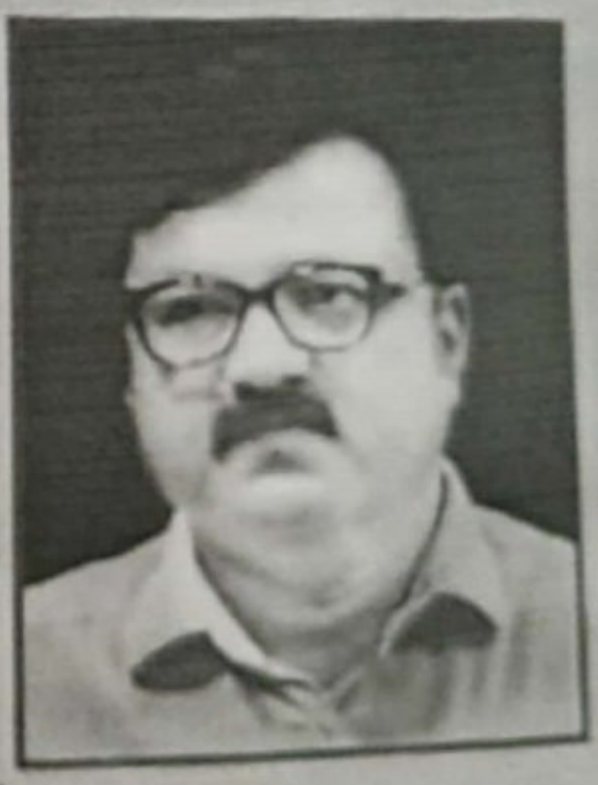

डॉ. अनन्त द्विवेदी

संप्रति - सहायक प्राध्यापक, के.जे. सोमैया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, विद्याविहार; मुंबई-77

रचना कर्म - विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं एवं जर्नल में लगभग 25 शोध-आलेख प्रकाशित। संलग्न- दूरस्थ शिक्षा संस्थान मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई के परास्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययन सामग्री का लेखन।

सम्मान - हिंदुस्तानी प्रचार सभा मुंबई द्वारा *महात्मा गांधी शिक्षा प्रतिभा* सम्मान से सम्मानित।

अनुज्ञा बुक्स
दिल्ली-110032
https://www.anuugyabooks.com

978-81-19019-37-3

₹ 600.00

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

(2)

(2)

छटू राम

संत साहित्य

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

[प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को पूरी तरह अथवा आंशिक तौर पर या पुस्तक के किसी भी अंश को फोटोकॉपी से रिकॉर्डिंग अथवा इलेक्ट्रॉनिक अथवा ज्ञान के किसी भी माध्यम से संग्रह व पुनर्प्रयोग की किसी भी प्रणाली द्वारा इस पुस्तक का कोई भी अंश प्रेषित, प्रस्तुत अथवा पुनरुत्पादित ना किया जाये।]

प्रकाशक

आयुष्मान पब्लिकेशन हाउस
352/डी-2, अजीत भवन, मुनिरका
जे० एन० यू०, मेन गेट
नई दिल्ली-110067
E-mail: ayushmanpubhouse@gmail.com
www.ayushmanpublication.in

ISBN: 978-93-5234-199-3

संत साहित्य

© लेखक

प्रथम संस्करण: 2018

भारत में प्रकाशित

प्रकाशक आशीष कुमार सिंह, आयुष्मान पब्लिकेशन हाउस द्वारा प्रकाशित, शब्द सज्जा सत्य साईं ग्राफिक्स, नई दिल्ली द्वारा एवं आवरण मीडिया ग्राफिक्स, दिल्ली द्वारा तथा मुद्रक राधा आफसैट, दिल्ली

विषय-प्रवेश

प्रथम अध्याय
विषय-प्रवेश 01

द्वितीय अध्याय
वैष्णव धर्म का उद्भव एवं विकास 17

तृतीय अध्याय
शास्त्रीय स्वरूप 40

चतुर्थ अध्याय
वैष्णव साधना का स्वरूप 59

पंचम अध्याय
संत साहित्य में योग-साधना 75

षष्टम् अध्याय
वैष्णवाचार का स्वरूप 95

सप्तम् अध्याय
संतों की भक्ति साधना 103

उपसंहार 140

सहायक ग्रन्थ-सूची 144

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

आयुष्मान पब्लिकेशन हाउस
352/E-4A, मुनिरका
नियर जे.एन.यू. मैन गेट, नई दिल्ली-110067
दूरभाष : 011-32062689
ईमेल : ayushmanpubhouse@gmail.com
वेबसाईट : www.ayushmanpublication.com

₹ 450.00

ISBN: 978-93-5234-199-3

9789352341993

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

7/24, 7:44 AM CamScanner 05-26-2024 17.51.55_7.jpg

समकालीन भारतीय लोकशाही

(CONTEMPORARY INDIAN DEMOCRACY)

आज़ादी का
अमृत महोत्सव

संपादक
डॉ. दिपाली एस. घोगरे

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Women Empowerment Policies in India

Binita Kumari

Assistant Professor, Geology, P. P. K. College Bundu, under Ranchi University, Ranchi.

Email: binitas2057@gmail.com

Abstract

Women, the beautiful creation of God that make all our lives beautiful. Women are the strength of society. The more we empower women the more the nation develops. An empowered woman is key to the well-being of their family as well the community. The empowerment of women through the improvement of their health, social, political, and economic status is very important for any society to achieve sustainable development.

Women are an important part of the labour force and the economic role-played by them cannot be isolated from the framework of development.

Women empowerment is and will remain an illusion until they are provided with fair political representation, economic independence, and gender equality. The term women empowerment is all about authority and financial independence sothey can make their own decisions. It allows women to take charge of their lives. The term refers to the liberation of women from socio-economic restraints of reliance on their male counterparts. The main motive of women empowerment is to enable them to stand equally with men. Men have always enjoyed the freedom of choice. Theyenjoy the liberty to commit mistakes and find enough room for their rectification. But for the young women thatare confronting life there is a different world out there. Whilethey have the same desires to turn theirdreams and ambitionsinto reality, all that they wish to have, all that they may wish to do, is often vetoed by the men in their lives or society (father, brother, husband and so on...). To change this scenario, we have to empower women so that they can decide the course of their lives and fulfil their ambitions, and do what they wish to do independently.

Introduction:

Women Empowerment is made of two words: Women and empowerment. Empowerment means to give power. According to the

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

CamScanner 05-26-2024 17.51.55_8.jpg

अनुक्रमणिका

अ. क्र.	लेख	लेखक	पृ.क्र.
1	Women Empowerment Policies In Indian Democracy	Dr. Laxmi Rambhau Kangune	1
2	Corruption and Good Governance in the Work of Aravind Adiga	Rupesh S. Wankhade	9
3	Fundamental Duties & Democracy	Mr.Sumit Rajendra Ginode	16
4	Rethinking The Confront Of Women's Security In India's Cities	Dr.Swaroopranik	24
5	The Role of Media in Democracy	Dr. Vikas Singh	34
6	The Preamble of Indian Constitution; A Conglomerate of Ideologies and Principles	Gabriel Karthick K	41
7	The Fundamental Rights in Indian Constitution; An Exemplary of its kind	Edward Jhotham I	48
8	Good Governance Basis Significance And Increase In India	Dr. Swaroopranik	55
9	Why is the content in the media thin?	Dr. Shivaji Jadhav	62
10	Changing Nature of Indian Nationalism	Mr. Prashant V. Ransure	72
11	Power and Identity in Last Man in Tower	Rupesh S. Wankhade	82
12	Indian Minorities and Human Right's	Shaikh Sobiya Ansar	90
13	Indian Constitution and Center State Relations	Dr. Bharti Savetia	96
14	Women Empowerment Policies in India	Binita Kumari	101

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

(41.)

~~Vidyadhar~~

Vidyadhar
Hindi
Department

थाईलैंड-भारत के सांस्कृतिक संबंध

संपादक
डॉ. प्रतिभा चौहान

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

भारतीय समाज, साहित्य और संस्कृति

डॉ. विद्याधर मेहता
एम.ए., एमफिल, पी-एच.डी.
सहायक प्राध्यापक (हिंदी-विभाग)
पी. पी के. महाविद्यालय, बुंडू
(राँची विश्वविद्यालय, राँची)

भारतीय समाज, साहित्य और संस्कृति विषय के लिए अनूठे और महान हैं। भारतीय समाज, साहित्य और संस्कृति एक-दूसरे के बीच पूरक, अन्योन्याश्रय, सह-संबंध रखते हैं। कहने का मतलब है—भारतीय अर्थात् मानव-जीवन व सभ्यता का वह विशिष्ट समुदाय या समाज, जिसकी समाज, साहित्य और संस्कृति की विशिष्ट पहचान है, जिसकी रीति, इतिहास, परंपरा और सभ्यता विश्व के अन्यत्र मानव-सभ्यता से उदात्त् है, इनकी मानव-जीवन व सभ्यता की उद्देश्य विश्व-प्राणी की कल्याण के लिए होता है। जैसा कि आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने भारतीय संस्कृति का सम्मान करते हुए कहा है कि—"भारतीय संस्कृति, भारतीय साहित्य और भारतीय कलाएँ एक विशिष्ट भाव-बोध से आलोकित है जो साहित्यकार इस तथ्य की अवहेलना करता है, वह साहित्य के प्राण तक पहुँचा ही नहीं है। पुर्नजन्म, कर्मफल, पुरुषार्थ और देव ऋण, मित्र ऋण जिसकी कल्पना हमारे देश में है वह एक देश से होते हुए सार्वभौम शिव और सुंदर का सत्य उद्घाटित करती है। भारतीय संस्कृति मात्र सभ्यता का दर्पण नहीं, यह एक आलोधारा है जो जीवन, साहित्य, कला में एक साथ उद्भाषित होती है।"[1]

भारतीय समाज, साहित्य और संस्कृति विश्व में सबसे प्राचीन, विशाल, विस्तृत, वैज्ञानिक और सौम्यता से पूर्ण है। यह भारत है, जहाँ प्रेम और विश्वबंधुत्व की भावना देखी जाती है। भारत की समाज, साहित्य और संस्कृति ही विश्व की

Scanned with CamScanner
Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

संपादकीय

1. भारत-थाईलैंड के आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संबंध
डॉ. प्रियंका सिंह

2. भारतीय समाज, साहित्य और संस्कृति
डॉ. विद्याधर मेहता

3. डॉ. अंबेडकर, संविधान एवं दलित मुक्ति-चेतना
डॉ. संजीव कुमार विश्वकर्मा

4. प्रवासी साहित्य की अवधारणा और महिला कथाकार
डॉ. योगिता दत्तात्रेय घुमरे

5. अटल बिहारी वाजपेयी के भाषणों में साहित्यिक चिंतन : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
डॉ. अंजना मुवेल

6. भारत एवं थाइलैंड के सांस्कृतिक एवं राजनैतिक संबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन
डॉ. सुनीता मीना

7. भारतीय संस्कृति के विकास में भाषा और अनुवाद की भूमिका
डॉ. इंदुमति एस

8. भारतीय संस्कृति के संदर्भ में थाईलैंड और बौद्ध धर्म
डॉ. अंजू लता श्रीवास्तव

9. भारतीय परिप्रेक्ष्य में स्त्री सोलो ट्रैवलर
डॉ. सुनीता

10. Language as a Tool for Preservation of Cultural Identity
Prof. Vasiraju Rajyalakshmi

11. ... साहित्य एवं संस्कृति के प्रसार में प्रवासी भारतीयों का योगदा...

realme · Shot on realme 10 Pro 5G 108MP 2024.06.03 10:16

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

थाईलैंड भारत के सांस्कृतिक संबंध
Thailand Bharat ke Sanskritik Sambandh

By *Dr. Pratibha Chouhan*

© डॉ. प्रतिभा चौहान

ISBN : 978-93-91602-75-8

प्रकाशक

साहित्य संचय

बी-1050, गली नं. 14, पहला पुस्ता,
सोनिया विहार, दिल्ली-110090
फोन नं. : 09871418244, 09136175560
ई-मेल - sahityasanchay@gmail.com
वेबसाइट - www.sahityasanchay.com

ब्रांच ऑफिस

ग्राम : बहुरार, पोस्ट : ददरी
थाना : नानपुर, जिला : सीतामढ़ी
पटना (बिहार)

नेपाल ऑफिस

राम निकुंज, पुतलीसड़क
काठमांडौ, नेपाल-44600
फोन नं. : 00977 9841205824

प्रथम संस्करण : 2023

कवर डिजाइन : प्रदीप कुमार

मूल्य : ₹ 300/- (भारत, नेपाल)
मूल्य : $ 7/- (अन्य देश)

मुद्रक : श्रीबालाजी ऑफसेट, ई-15, सेक्टर-ए 5/6ए ट्रोनिका सीटी, गाजियाबाद, उ.प्र.

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

(5.)

जैन तथा वैशेषिक दर्शन में द्रव्य विचार का वैज्ञानिक एवं तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. सुषमा उराँव

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

ISBN : 978-93-82699-55-2

© : लेखिका

मूल्य : तीन सौ रुपये

प्रथम संस्करण : 2019

प्रकाशक : प्रिय साहित्य सदन
2226/बी, गली नं. 33,
पहला पुस्ता, सोनिया विहार,
दिल्ली-110090
मोबाइल : 9211559886

आवरण : संतोष

शब्द-संयोजन : मुस्कान कम्प्यूटर्स, दिल्ली-110094

मुद्रक : विशाल कौशिक प्रिंटर्स
जगतपुरी विस्तार, दिल्ली-110093

जैन तथा वैशेषिक दर्शन में द्रव्य विचार का तुलनात्मक एवं वैज्ञानिक अध्ययन

डॉ. सुषमा उराँव

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

जैन तथा वैशेषिक दर्शन में द्रव्य विचार का वैज्ञानिक एवं तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. सुषमा उराँव

प्रिय साहित्य सदन
दिल्ली-110090

Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner